न्यूज डायरी

यूरोप में लॉकडाउन के हटाए जाने की शुरुआत, जर्मनी में प्रतिबंध होंगे आसान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। जर्मन की चांसलर एंजेला मर्केल ने कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए लाए गए प्रतिबंधों को धीरे–धीरे कम करने को लेकर एक योजना की घोषणा की है। बीबीसी ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में कहा, 'सोशल डिस्टेंसिंग के नियम 3 मई तक कायम रहेंगे। साथ ही मर्केल ने दुकानों और सार्वजनिक परिवहन में फेस मास्क के उपयोग की भी सिफारिश की है।' मर्केल के मुताबिक अगले सप्ताह तक एक निश्चित आकार के तहत व्यापारी अपनी दुकानें खोल सकते हैं और स्कूल धीरे–धीरे 4 मई से फिर से शुरू होंगे। मर्केल ने कहा कि देश ने सख्त उपायों के माध्यम से 'नाजुक समय की मध्यवर्ती सफलता' हासिल की है। जर्मनी की चांसलर ने कहा, 'देश को चाहिए कि ध्यान केंद्रित रखते हुए आगे बढ़े, पैंतरेबाजी के लिए हमारे पास ज्यादा कुछ नहीं है।'

दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस के 22 नये मामले, संक्रमितों की संख्या 10,613 पहुंची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 22 और मामलों की पुष्टि हुई है, जिससे देश में संक्रमितों की संख्या 10,613 पहुंच गई है, जबकि 229 लोगों की मौत हो चुकी है। गुरुवार को दर्ज किए गए नए मामलों के साथ दक्षिण कोरिया में वायरस के संक्रमण में दैनिक वृद्धि लगातार चौथे दिन 30 से नीचे रही है। कोरिया सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने एक बयान में कहा है कि 7,757 लोग ठीक हो चुके हैं और उन्हें पृथकवास से मुक्त कर दिया गया है। बयान में कहा गया कि 14,268 लोगों की जांच यह पता लगाने के लिये की जा रही है कि क्या वे इस संक्रमण के संपर्क में तो नहीं आये हैं।

गर्भवती नर्स की कोरोना वायरस से मौत हुई, लेकिन नवजात बच्ची सुरक्षित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
लंदन। ब्रिटेन में कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद एक गर्भवती नर्स की मौत हो गई, लेकिन उसकी बच्ची का जन्म सफलतापूर्वक हो गया और उसकी हालत ठीक है। एक अस्पताल ने यह बुधवार को जानकारी दी, जहां वह काम करती थी। लंदन के उत्तरी हिस्से में स्थित ल्यूटन एंड डंस्टेबल यूनिवर्सिटी अस्पताल के एक जनरल वार्ड में नर्स के रूप में काम करने वाली 28 साल की मैरी अग्यीवा अग्यपोंग की रविवार को मौत हो गयी। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि क्या नवजात बच्ची को वायरस से संक्रमित पाया गया है या नहीं। बेडफोर्डशायर हॉस्पिटल्स एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट ने कहा कि पांच अप्रैल को अग्यपोंग को वायरस की जांच में संक्रमित पाया गया था और उसे सात अप्रैल को उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह काम करती थी। ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड कार्टर ने कहा, ''यह बहुत ही दुख की बात है कि हमारी एक नर्स मैरी अग्यीवा अग्यपोंग की रविवार को मृत्यु हो गई।''

जापान में कोरोना से न हो तलाक, पति और पत्नी को दे रहे अलग घर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तोक्यो। कोरोना वायरस के कारण दुनिया के अधिकतर लोग घरों में कैद हैं। रिश्ते की डोर न टूटे और तलाक से लोगों को बचाने के साथ–साथ बिजनेस भी चमके इसकी एक नई तरकीब जापान में सामने आई है। यहां किराए पर लोगों को फ्लैट उपलब्ध कराने वाली एक जापानी फर्म ने ऐसे तनावग्रस्त कपल्स को अपने खाली अपार्टमेंट में रहने की पेशकश की है। टोक्यो की कासोकू कंपनी ने अपने बयान में कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान तलाक के बारे में सोचने से पहले हमसे पहले बात करें। कंपनी ने तमाम सुविधाओं से लैश अपने अपार्टमेंट में रहने का उन्हें ऑफर भी दिया। खबरों की मानें तो इस कंपनी का ये ऑफर 3 अप्रैल से ही शुरू हो गया है जिसके तहत कई लोग इसका फायदा भी उठा रहे हैं।

चीन ने वुहान की लैब में पैदा किया था कोरोना वायरस?

सनसनीखेज दावा

■दुनियाभर में अब तक 1,34,677 लोग मारे गए हैं और 20 लाख संक्रमित

चीन ने एक विशेष उद्देश्य से इस वायरस को वुहान की लैब में पैदा किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
वॉशिंगटन। किलर कोरोना के कहर से दुनियाभर में अब तक 1,34,677 लोग मारे गए हैं और 20 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। चीन के वुहान शहर से निकली इस महामारी की चपेट में अब विश्व के 195 से ज्यादा देश आ गए हैं। कोरोना वायरस के जन्म को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। इस बीच अमेरिकी टीवी चैनल फॉक्स न्यूज ने एक सनसनीखेज दावा किया है। फॉक्स न्यूज ने कहा है कि चीन ने एक विशेष उद्देश्य से इस वायरस को वुहान की लैब में पैदा किया था।

फॉक्स न्यूज ने कई सूत्रों के हवाले से दावा किया कि चीन ने वुहान लैब में कोरोना वायरस को बायोवेपन के रूप में नहीं बल्कि दुनिया को अपनी ताकत दिखाने के लिए पैदा किया था। चीन ने यह दिखाने की कोशिश की कि वह कोरोना जैसे खतरनाक वायरस की अमेरिका की तरह या उससे ज्यादा अच्छे से पहचान कर सकता है और उससे पूरी ताकत के साथ निपट सकता है।

अब तक का सबसे महंगा गुप्त कार्यक्रम: एक सूत्र ने कहा, यह अब तक का सबसे महंगा गुप्त कार्यक्रम हो सकता है। उन्होंने कहा कि शुरू में यह वायरस चमगादड़ से इंसान में पहुंचा और पेशेंट जीरो भी वुहान की रहस्यमय लैब में काम करता था। पेशेंट जीरो जब वुहान की मार्केट में गया तब यह वायरस वहां भी फैल गया। इस बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम लगातार कई कहानियां सुन रहे हैं...हम इस मामले की जांच कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक डॉक्टरों के प्रयासों और इस वायरस को शुरू में लैब में रोकने से जुड़े कई दस्तावेजों से यह पता चलता है कि वुहान में जिस वेट मार्केट की पहचान कोरोना फैलने के रूप में की गई थी, वहां पर चमगादड़ बिकते ही नहीं थे। सूत्रों ने बताया कि चीन ने वेट मार्केट की थियरी को जानबूझकर फैलाया ताकि लैब पर लगने वाले आरोप दब जाएं। चीन चाहता था कि इसके बाद वह अमेरिका और इटली को निशाना बनाएगा।

वुहान लैब में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं: इससे पहले अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट ने खुलासा किया था कि अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने जनवरी 2018 में चेतावनी दी थी कि वुहान लैब में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। इस रिपोर्ट पर अमेरिका के जांइट चीफ ऑफ स्टाफ ने जनरल मार्क मिल्ले ने कहा, इसे आश्चर्य के साथ नहीं देखना चाहिए, हमने उसमें बहुत रुचि दिखाई थी। हालांकि साक्ष्यों को देखकर लग रहा है कि यह स्वाभाविक है।

कोरोना वायरस महामारी से मरे लोगों को भी स्वस्थ बता रहा यह देश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
सैंटियागो। चिली में कोरोना वायरस संक्रमण के अभी तक 7917 मामले सामने आए हैं, जबकि 92 लोगों की इससे मौत हुई है। लेकिन चिली कोरोना वायरस से मरने वालों लोगों को बीमारी से ठीक हुए लोगों में गिन रहा है। यहां के स्वास्थ्य मंत्री जैम मनालिच ने का कहना है, संक्रमण से मरने वालों को ठीक हुआ माना जा रहा है, क्योंकि अब उनमें कोई संक्रमण नहीं है और न ही वे संक्रमण फैला सकते हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के मुताबिक स्वास्थ्य मंत्री मनालिच ने इससे पहले कहा था कि हम ऐसे लोगों के लिए एक प्रमाण पत्र जारी करेंगे। इससे लोगों में कोरोना वायरस से लड़ने में हिम्मत बढ़ेगी। मनालीच ने कहा कि चिली में संक्रमणों की संख्या के संबंध में कम मौतें हुई हैं। मनालिच ने कथित रूप से दावा किया है कि मरने वालों की गिनती करने का यह तरीका अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की सिफारिश पर अपनाया गया है।

कोविड–19 महामारी से जूझ रहे थाईलैंड के एक्सपर्ट्स ने कोरोना को लेकर हैरान करने वाली जानकारी दी है। रिसर्च में कहा गया है कि डेड बॉडी से भी कोरोना वायरस फैल सकता है। थाईलैंड में शव का परीक्षण कर रहे एक डॉक्टर में कोरोना की पुष्टि हुई है।

यूएस ने लगाया चीन पर परमाणु परीक्षण का आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। एक ओर जहां दुनिया कोरोना वायरस की चपेट में है, चीन कथित तौर पर जमीन के नीचे परमाणु परीक्षण कर रहा है। अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट ने चीन पर यह आरोप लगाया है कि चीन ऐसे ब्लास्ट्स को लेकर बनाए गए समझौते के पालन की बात करता है लेकिन फिर भी उसने कम तीव्रता के परमाणु बम के परीक्षण किए हैं। माना जा रहा है कि इससे अमेरिका और चीन के बीच में तो तनाव बढ़ेगा ही, भारत के लिए भी चिंता की लकीरें खिंचती दिख रही हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक अमेरिका पहले से ही कोरोना वायरस को लेकर चीन पर आरोप लगाता आ रहा है।

कोरोना लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर अरेस्ट किया तो न्यूड हो गई महिला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
मैड्रिड। कोरोना महासंकट से जूझ रहे स्पेन में एक महिला को लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर अरेस्ट किया गया तो वह न्यूड हो गई। यही नहीं महिला पुलिस की कार पर चढ़ गई। बताया जा रहा है कि घटना के समय महिला को कोर्ट में पेश करने के बाद ले जाया जा रहा था। इससे पहले महिला के पड़ोसियों ने पुलिस को बताया था कि वह न्यूड होकर घूम रही है। पड़ोसियों की सूचना के बाद महिला को कपड़े पहनाकर लॉकडाउन के उल्लंघन के आरोप में अरेस्ट करके कोर्ट ले जाया गया। कोर्ट से महिला को जमानत

मिल गई। जमानत पर छूटने के बाद महिला ने दोबारा अपने कपड़े उतार दिए और जिस कार में उसे लाया गया था, उसी पर चढ़ गई। महिला का पुलिस से झगड़ा भी हो गया। इसके बाद पुलिस ने महिला की पष्टिाई की और उसे एंबुलेंस में ले गई।

कोरोना संकट को देखते हुए स्पेन में बेहद सख्त नियम बनाए गए हैं। नागरिकों को बाहर नहीं जाने दिया जा रहा है। बच्चे कई सप्ताह से अपने घरों में कैद हैं। बाजार जाने के लिए भी स्पेन में नियम बनाए गए हैं। इस संकट के बाद भी स्पेन में कई लोगों को नियमों की जानकारी नहीं है। लोग केवल 100 मीटर तक ही अपने कुत्तों के साथ वॉक पर जा सकते हैं।

स्पेन यूरोप में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल है। स्पेन में अब तक 1,80,659 लोग कोरोना वायरस से पीड़ित हैं और करीब 19 हजार लोगों की मौत हो गई है। इटली के बाद स्पेन में ही कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। कोरोना महामारी से दुनियाभर में अब तक 134,720 लोग मारे गए हैं।

अमीरों को लंदन से पाक लाया स्पेशल प्लेन, सोशल डिस्टेंसिंग में गरीबों को वहीं छोड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पूरी दुनिया की तरह पाकिस्तान इस वक्त कोरोना वायरस की चपेट में है। हालांकि, मुसीबत के इन हालात में भी नागरिकों को लेकर पाकिस्तान की प्राथमिकता साफ है। पाकिस्तान इंटरनैशनल एयरलाइन्स की एक स्पेशल फ्लाइट लंदन से करीब 150 वीआईपी को लेकर इस्लामाबाद आई जबकि 400 आम लोग ब्रिटेन में अभी भी फंसे हैं और उनके पास देश लौटने का कोई साधन नहीं है।

खास बात यह है कि इस स्पेशल फ्लाइट में सोशल डिस्टेंसिंग फॉलो करने के लिए सीटें खाली छोड़ दी गई थीं। पाकिस्तान के जियो टीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के एक मंत्री का परिवार और करीब 150 वीआईपी लंदन जल्द से जल्द छोड़ना चाहते थे। इसलिए 9 अप्रैल को लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से इस्लामाबाद आने के लिए एक फ्लाइट का इंतजाम किया गया। बताया गया है कि लंदन से सिर्फ पहुंचदारों को इस्लामाबाद पहुंचाया जा रहा है जबकि ब्रिटेन में फंसे हुए बाकी लोगों को वापस लाने की कोशिशें नहीं की जा रही हैं।